TDC SYLLABUS FOR (टी. डी. सी. पाठ्यक्रम)

HINDI (हिन्दी)

(Modern Indian Language)

आधुनिक भारतीय भाषा

Arts (कला) / Commerce (वाणिज्य) / Science (विज्ञान)

(A) MIL (HINDI)

T.D.C 3rd Semester 301 : Hindi Bhasha Aur Rachna

4th Semester 401 : Hindi Aur Uski Pramukh Vidhayein

(B) ELECTIVE HINDI (PASS COURSE)

1st Sem : 101 Hindi Sahitya Ka Itihas Aur Hindi Bhasha

2nd Sem : 201 Adikaleen Evam Nirgun Bhakti Kavya.

3rd Sem : 301 Gadya Sahitya

4th Sem : 401 Sagun Bhakti Kavya

5th Sem : 501 Reeti Kavya

6th Sem : 601 Adhunik Kavita (Chhayawad Tak)

(C) HINDI HONOURS

1st Sem : 101 Hindi Sahitya Ka Itihas (Adikal)
102 Katha Sahitya
103 Hindi Bhasha ka Swaroop

2nd Sem : 201 Adikaleen Kavya
202 Nibandha, Natak Aur Ekanki
203 Kavya Sidhhant

3rd Sem : 301 Hindi Sahitya Ka Itihas (Madhyakal)
302 Nirgun Bhakti Kavya
303 Rekhachitra, Sansmaran Aur Reportaj

4th Sem : 401 Reeti Kavya
402 Sagun Bhakti Kavya
403 Bhasha Vigyan

5th Sem : 501 Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kavya)
502 Adhunik Kavita (Chhayawad Tak)
503 Chhayawadottar Kavita

6th Sem : 601 Samkaleen Kavita (1960 ke bad)
602 Swatantrayottar Katha Sahitya
603 Hindi Alochana

3rd SEMESTER

टी. डी. सी. तृतीय सेमेस्टर

301 : HINDI BHASHA AUR RACHANA

हिंदी भाषा और रचना

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

इकाई एक : निबंध लेखन 10 अंक

दिए हुए सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक, आर्थिक विषयों से संबधित निबंधो से किसी एक विषय पर निबंध लिखना।

इकाई दो : औपचारिक पत्राचार 10 अंक

अ – औपचारिक पत्राचार का अर्थ और महत्व। औपचारिक पत्राचार के प्रमुख अंग तथा औपचारिक पत्र लेखन की विशेषताएँ।

ब – प्रमुख प्रशासनिक पत्रों की विशेषताएँ और उनके प्रारूप : आवेदन पत्र, सूचना, स्मरणपत्र, कार्यालय आदेश, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, अधिसूचना, अर्धशासकीय पत्र एवं निविदा।

स – प्रमुख वाणिज्यिक पत्र उनकी विशेषताएँ और उनके प्रारूप : पूछताछ के पत्र, कोटेशन पत्र, आदेशपत्र, शिकायती पत्र।

इकाई तीन - पारिभाषिक शब्दावली 10 अंक

पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, विशेषताएँ एवं प्रकार। पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रवृत्तियाँ। पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त। कार्यालय, बैंक, वाणिज्य एवं प्रशासन में बहुप्रचलित अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दावली एवं वाक्यांशों के हिन्दी पर्याय।

इकाई चार - संक्षेपण एवं पल्लवन 10 अंक

अ – संक्षेपण की अवधारणा एवं अच्छे संक्षेपण की विशेषताएं। दिए हुए अनुच्छेद का संक्षेपण करना तथा उसका उपयुक्त शीर्षक देना।

ब – पल्लवन की अवधारणा एवं अच्छे पल्लवन की विशेषताएं। दी हुई सूक्तियों में से किसी एक को पल्लवित करना।

इकाई पाँच : हिन्दी भाषा में अशुद्धि संशोधन 10 अंक

आधार पाठ्य पुस्तकें :

(1) व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण और वार्तालाप,
लेखक : चतुर्भुज सहाय, अरूण चतुर्वेदी,
प्रकाशक : केन्द्रीय हिंदी संस्थान, संस्थान मार्ग, आगरा - 5, उत्तर प्रदेश।

(2) व्यावहारिक हिन्दी संरचना और अभ्यास,
लेखक : रामलाल शर्मा, अरूण चतुर्वेदी, राजबली पाठक,

प्रकाशक : केन्द्रीय हिंदी संस्थान, संस्थान मार्ग, आगरा – 5, उत्तर प्रदेश।

अ – हिन्दी की वर्णिम व्यवस्था। हिंदी – वर्तनी के नियम। हिंदी में उच्चारणगत और वर्तनीगत अशुद्धियों के प्रमुख कारण – प्रकार तथा उन्हें शुद्ध करना यथा :

1. वर्ण रचना की जानकारी न होने कारण होनेवाली अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।
2. वर्तनी और लेखन पद्धति का ज्ञान न होने के कारण होनेवाली अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।
3. ध्वनियों में ह्रस्व-दीर्घ, अल्पप्राण-महाप्राण, श-ष-स, य-ज, ड़-ढ़, ऐ-ओ, ऋ-र, अनुस्वार (ं) और अनुनासिकता (ँ) तथा रेफ (र्) का प्रयोग, ध्वनियों का लोप-आगम एवं विपर्यय आदि के ज्ञान के अभाव में होने वाली तत्संबधी उच्चारणगत एवं वर्तनीगत अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।
4. कम प्रचलित शब्द की वर्तनी का अभ्यास न होने के कारण होने वाली वर्तनीगत अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।

ब – शब्दगत एवं वाक्यगत अशुद्धियों के प्रमुख कारण और उन्हें शुद्ध करना :

1. हिन्दी शब्द-रचना प्रक्रिया के अंतर्गत होने वाले ध्वनि परिवर्तन (यथा उपसर्ग और प्रत्ययका संयोग, लिंग और वचन में परिर्वतन, अकर्मक-सकर्मक एवं प्रेरणार्थक क्रिया का परस्पर रूपान्तरण के अंतर्गत होने वाले ध्वनि परिवर्तन) के नियमों की जानकारी केअभाव में होनेवाली अशुद्धियाँ एवं उन्हें शुद्ध करना।
2. हिन्दी शब्दों में ई, ए, यी, ये, ए का प्रयोग, जैसे नया, नयी, नई, नये, लिए आदि, से संबधित नियम।
3. हिन्दी में शब्दों रूपों के स्तर पर होनेवाली अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।
4. हिन्दी में वाक्य स्तर पर होनेवाली अशुद्धियाँ : पदक्रम एवं अन्वित के नियमों की जानकारी न होने के कारन होनेवाली अशुद्धियाँ तथा वाक्यों को शुद्ध करना।
5. हिंदी में विराम चिह्न और उनके प्रयोग।

Unitwise Format & Division of Marks :

T.D.C-3rd SEMESTER-MIL-HINDI : 201 : HINDI BHASHA AUR RACHANA

	परीक्षार्थी द्वारा हल किए जाने वाले दीर्घ उत्तरीय प्रश्न एवं उनके निर्धारित अंक	परीक्षार्थी द्वारा हल किए जाने वाले लघूत्तरीय प्रश्न एवं उनके निर्धारित अंक	परीक्षार्थी द्वारा हल किए जाने वाले अति लघूत्तरीय प्रश्न उनके निर्धारित अंक	योग
इकाई क्रमांक				
इकाई – एक	1 x 10 = 10 अंक		--	= 10 अंक
इकाई – दो	1 x 10 = 10 अंक		--	= 10 अंक
इकाई – तीन	1 x 10 = 10 अंक		--	= 10 अंक
इकाई – चार	--	2 x 05 = 10 अंक		= 10 अंक
इकाई – पाँच	--		5 x 02 = 10 अंक	= 10 अंक
कुल योग	3 x 10 = 30 अंक	2 x 05 = 10 अंक	5 x 02 = 10 अंक	= 50 अंक

निर्देश :

– पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

– परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों को उत्तर लिखने होंगे। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 3 x 10 = 30 अंक

– इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो और इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो – दो निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे

परीक्षार्थी को प्रत्येक से एक – एक प्रश्न का उत्तर देते कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल तीन निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

ख : लघूत्तरीय प्रश्न 2 x 05 = 10 अंक

– इकाई चार के प्रत्येक खण्ड से से दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न देते हुए कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक – एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न 5 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक

ग : अतिलघूत्तरीय प्रश्न 5 x 02 = 10 अंक

इकाई पाँच से दस अतिलघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक अतिलघूत्तरीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। इसप्रकार कुल दस अतिलघूत्तरीय प्रश्न 5 x 02 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ :

1. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप : चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी
   प्रकाशक – केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा – 282005 (उ०प्र०)
2. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : स० चतुर्भुज सहाय, अरूण चतुर्वेदी
   प्र० केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा – 282005 (उ०प्र०)
3. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : प्र० स० महावीर सरन जैन, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
4. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण : रमेश मेहरोत्रा : वाणी प्रकाशन दिल्ली।
5. औपचारिक पत्र लेखन : ओमप्रकाश सिंहल : किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. प्रशासनिक पत्राचार : सं डॉ० सुरेश कुमार, केंन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा।
7. पत्रव्यवहार निर्देशिका : डॉ० भोलानाथ तिवारी / विजय कुलश्रेष्ठ, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
8. कार्यालयी हिंदी : डॉ० प्रमथ नाँथ मिश्र, अयन प्रकाशन, मेहरोली।
9. राजभाषा कार्यालय सहायिका :डॉ० प्रमथनाथ मिश्र, अयन प्रकाशन, 1/20 मेहरोली, नई दिल्ली।
10. सरल निबंध लेखन : राजेश शर्मा, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली।
11. व्यावसायिक हिंदी : सं० रहमतुल्लाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. व्यायसायिक संप्रेषण : अनुपचंद भामा जी, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।

4th SEMESTER

टी. डी. सी. चतुर्थ सेमेस्टर

401 : HINDI AUR USKI PRAMUKH VIDHAEIN

हिंदी और उसकी प्रमुख विधाएँ

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक – 50 अंक
समय – दो घंटे

10 अंक

इकाई एक : हिन्दी भाषा और उसके रूप

– हिन्दी भाषा और उसके विकास का सामान्य परिचय।
– हिन्दी और उसकी प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय।
– हिन्दी भाषा के विविध रूपों का सामान्य परिचय, विशेषताएँ एवं उनका महत्व यथा : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा।

10 अंक

इकाई दो : गद्य की प्रमुख विधाएं

कहानी, उपन्यास, निबंध, एकांकी : परिभाषा, विशेषताएं एवं तत्व।

10 अंक

इकाई तीन : हिन्दी गद्य

नोट : इस इकाई से केवल पाठ केन्द्रित प्रश्न ही पूछे जायेंगे।

पाठ्य पुस्तक : गद्य-गौरव सं० उर्मिला मोदी

प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी – 221001 (यू०पी०)

निर्धारित पाठ :

1. सुजान भगत (कहानी) : श्री प्रेमचंद
2. भारतीय संस्कृति (लेख) : डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
3. राजभाषा और राष्ट्रभाषा (लेख) : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
4. कर्तव्य और सत्यता (लेख) : डॉ० श्यामसुन्दर दास
5. शिवाजी का स्वरूप (एकांकी) : सेठ गोविन्ददास
6. डॉ० चंद्रशेखर वेंकट रामन् (जीवनी) : डॉ० प्रेमनारायण टंडन

10 अंक

इकाई चार : हिन्दी काव्य

नोट : इस इकाई से केवल पाठ केन्द्रित प्रश्न ही पूछे जायेंगे।

पाठ्य पुस्तक : 'काव्य सौरभ' सं० – पुरुषोत्तम मोदी

प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाश, चौक, वाराणसी – 221001 (यू०पी०)

निर्धारित पाठ :

1. विद्यापति : प्रारम्भिक दो पद : राधा की दूती और कृष्ण की दूती।
2. कबीर दास : केवल तीन पद – 1. संतो आई ज्ञान की आँधी, 3. मन ना रँगाए रँगाए जोगी कपरा,

4. ना जाने साहब कैसा है।

3. तुलसीदास : राम वन गमन से पद संख्या 5 से 9 = कुल 05 कवित्त।

4. बिहारी से दोहा संख्या - 1, 4, 7, 10, 11, 17, = 06 दोहे।

5. मैथिली शरण गुप्त : मातृभूमि शीर्षक कविता।

6. प्रसाद : भारतवर्ष, बीती विभारी जाग री शीर्षक कविताएँ।

7. निराला : विधवा शीर्षक कविता।

8. दिनकर : गगन का चाँद शीर्षक कविताएँ।

9. अज्ञेय : नदी के द्वीप शीर्षक कविता।

इकाई पाँच - रस,छंद और अलंकार 10 अंक

1. रस एवं छंद : रसों का सामान्य परिचय।

2. छंद : अर्थ और प्रकार। चौपाई, दोहा, सोरठा, कवित्त और सवैया छंद के लक्षण तथा उदाहरण।

3. अलंकार : अलंकार और उनके प्रमुख प्रकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, एवं अन्योक्ति के लक्षण और उदाहरण।

निर्देश :

- पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 3 x 10 = 30 अंक

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो और इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक एक प्रश्न का उत्तर देत कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। कुल तीन निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न 3 x 10 = 30अंक।

ख : लघुत्तरीय प्रश्न 2 x 05 = 10 अंक।

इकाई चार से निर्धातिर पाठों पर केन्द्रित चार लघूत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न 5 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10अंक।

ग : अतिलघूत्तरीय प्रश्न 5 x 02 = 10 अंक।

इकाई पाँच से दस अतिलघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक अतिलधूत्तरीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। इसप्रकार कुल दस अतिलघूत्तरीय प्रश्न = 5 x 02 = 10अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. साहित्य विधाओं की प्रकृति : डॉ० देवी शंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

3. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

4. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
5. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
6. कविता और संवेदना : विजयबहादुर सिंह : रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म०प्र०।
7. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली।
9. अंलकार मुक्तावली : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, भारती भवन, पटना।
10. काव्यांग कौमुदी : आ० विश्वनाथ प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
11. शब्द शक्ति विवेचन : डॉ रामलखन गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
12. रस अंलकार पिंगल : डॉ० शम्भुनाथ पाण्डेय, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।

1rd SEMESTER
टी. डी. सी. प्रथम सेमेस्टर

ELECTIVE HINDI
(वैकल्पिक हिन्दी)

(PASS COURSE)

101 : HINDI SAHITYA KA ITIHAS AUR HINDI BHASHA
हिंदी साहित्य का इतिहास और हिंदी भाषा

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक – 50 अंक
समय – दो घंटे

इकाई एक : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल) :

- आदिकाल की पृष्ठभूमि, आदिकाल का नामकरण, आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
- भक्तिकाल के उदय की पृष्ठभूमि, भक्तिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
- भक्तिकाव्य के प्रमुख कवि और उनके काव्य का सामान्य परिचय।

इकाई दो : हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल) :

- रीतिकाल का परिवेश एवं नामकरण। रीतिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनके काव्य का सामान्य परिचय।
- आधुनिक काल के उद्भव की परिस्थितियाँ। आधुनिक कविता : भारतेन्दु युगीन कविता, द्विवेदी युगीन

कविता, छायावादी कविता, प्रगतिवादी कविता, प्रयोगवादी कविता, नई कविता एवं साठोत्तरी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। हिंदी गद्य की प्रमुख विधाएँ : कहानी,उपन्यास, नाटक और निबंध के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय।

इकाई तीन : हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

– हिंदी का अर्थ। हिंदी भाषा का क्षेत्र। हिंदी भाषा के विविध रूपों का सामान्य परिचय, विशेषताएँ एवं उनका महत्व यथा राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा। देवनागरी लिपि : गुण – दोष और उसका मानकीकरण। हिंदी में कारक चिन्हों का प्रयोग।

इकाई चार : हिंदी और उसकी बोलियाँ

हिंदी भाषा के विकास का सामान्य परिचय। हिंदी और उसकी प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय।

निर्देश :

– पाठ्यक्रम चार इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंको का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा:

क : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न — 4 x 10 = 40 अंक।

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, इकाई क्रमांक तीन और इकाई क्रमांक चार से कम से कम दो दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल चार निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल चार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक के होंगे।

ख : लघूत्तरीय प्रश्न — 2 x 05 = 10 अंक।

पँचवा प्रश्न लघूत्तरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक एक प्रश्न देते हुए कम से कम चार लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार कुल दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, ए- 95, सैक्टर - 5, नोएडा - 1
3. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आदिकालीन हिन्दी साहित्य : डॉ० शंभुनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. भक्ति आंदोलन इतिहास और संस्कृति : डॉ० कुँवर पाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. मध्यकालीन कवि और कविता : रतन कुमार : अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली - 53
11. रीति काव्य के विविध आयाम : डॉ० सुधीन्द्र कुमार : स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. हिन्दी रीति साहित्य : डॉ० भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

13. रीतिकालीन स्वच्छन्दकाव्य धारा : डॉ० चन्द्र शेखर, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
14. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ : डॉ० रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणसी।
16. छायावाद : डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. प्रगतिवादी आंदोलन का इतिहास : डॉ० कर्णसिंह चौहान, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
18. प्रयोवाद, नई कविता और नकेन : मोहम्मद इम्तियाज खाँ: अंनग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली – 59
19. नई कविता : डॉ० देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
20. नयी कविता और अस्तित्ववाद : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, न० दिल्ली।
21. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ० भोलानाथ तिवारी।
22. हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ० धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
23. हिन्दी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
24. हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप : राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

2nd SEMESTER
द्वितीय – सेमेस्टर

201 : ADIKALIN EVAM NIRGUNBHAKTI KAVYA
आदिकालीन एवं निर्णुणभक्ति काव्य

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक – 50 अंक
समय – दो घंटे

1. निर्धारित पाठ्य पूस्तक : 'आदिकालीन काव्य संग्रह', सम्पादक डॉ० नागेन्द्र नाथ उपाध्याय एवं डॉ० शंभुनाथ पाण्डेय, प्रकाशक : संजय बुकसेंटर, गोलघर, वाराणसी।
2. निर्धारित पाठ्य पुस्तक (जायसी और कबीर के लिए) : 'काव्य संचयन' सम्पादक डॉ० चमनलाल गुप्ता, वाणी प्रकाशन, 21- दरियागत, नयी दिल्ली – 2

इकाई एक : सरहपा एवं चंदरवरदाई

अ – सरहपा : आरंभिक पाँच दोहे।

ब – चन्दरबरदाई – कयमास वध से आरंभिक छह पद।

इकाई दो : विद्यापति एवं जायसी

अ – विद्यापति : पद संख्या 1, 2, 3, 7, 8 एवं 9।

ब – जायसी – बनजारा खंड से आरंभिक पाँच हिस्से।

इकाई तीन : कबीर

दस दोह – दोहा संख्या – 5, 8, 10, 15, 22, 23, 27, 32, 35 एवं 37

तीन पद – संख्या – 2, 4 एवं 11

निर्देश :

– पाठ्यक्रम तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों को उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : व्याख्या — 1 x 10 = 10 अंक।

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो एवं इकाई क्रमांक तीन से व्याख्या हेतु एक – एक पद्यांश देते हुए कम से कम तीन पद्यांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी किसी एक पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

ख : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न — 4 x 10 = 40 अंक।

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, एवं इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो – दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक – एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 3 x 10 = 10 अंक।

ग : लघूत्तरीय प्रश्न — 2 x 05 = 10 अंक।

पाँचवा प्रश्न लघूतरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक – एक लघूत्तरीय प्रश्न देते हुए कम से कम चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक।

संदर्भग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. आदिकालीन हिंदी साहित्य : डॉ० शंभुनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. नाथ संप्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. रासो साहित्य विमर्श : माता प्रसाद गुप्त (सं०), साहित्य भवन, इलाहाबाद
6. चन्दबरदाई और उनका काव्य : विपिन बिहारी द्विवेदी, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
7. पृथ्वीराज रासो भाषा और साहित्य : नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली।
8. विद्यापति ठाकुर : उमेश मिश्र, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
9. विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
10. विद्यापति के गीत : सं० नागार्जुन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. विद्यापति का काव्यलोक : श्री नरेन्द्र नाथ दास, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना।
12. विद्यापति : अनुशीलन और मूल्यांकन (दो खण्डों में) डॉ० वीरेन्द्र श्रीवास्तव, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना।
13. जायसी : विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।

14. मलिक मुहम्मद जायसी : डॉ० कन्हैया सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
15. जायसी का अभिप्रेत आशय : विजय शंकर मिश्र, साहित्य सहकार, दिल्ली।
16. कबीर : एक पुनर्मूल्यांकन : सं० बल्देव वंशी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
17. कबीर और उनका दर्शन : डॉ० रामाश्रय दास ब्रह्मचारी, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
18. कबीर : विजयेन्द्र स्नातक : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

3rd SEMESTER

तृतीय – सेमेस्टर

301 : GADYA SAHITYA

गद्य साहित्य

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक – 50 अंक
समय – दो घंटे

इकाई एक : कथा साहित्य

अ – उपन्यास : 'गबन' – लेखक प्रेमचंद

ब – कहानियाँ : निम्नलिखित पाँच कहानियाँ:

1. कफन (प्रेमचंद), 1. आकाशदीप (जयशंकर प्रसाद),

3. ताई (विश्वंभरनाथ कौशिक), 4. रसप्रिया (फणीश्वरनाथ रेणु)

एवं 5 वापसी (उषा प्रियंवदा)।

पाठ्य पुस्तक : 'कथा एकादशी' सम्पादक डॉ० विजयपाल सिंह, प्रकाशक : संजय बुकसेंटर, गोलघर, वाराणसी।

इकाई दो : नाटक

अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चंद्र

इकाई तीन : निबंध

निम्नलिखित पाँच निबंध :

1.कृष्ण चैतन्य महाप्रभु (पं० बालकृष्ण भट्ट), 2. प्रभात (महावीर प्रसाद द्विवेदी), 3. एक दुराशा (बालमुकुन्द गुप्त), सच्ची वीरता (सरदार पूर्ण सिंह), 5. श्रद्धा – भक्ति (रामचंद्र शुक्ल)।

पाठ्य पुस्तक : निबंध निकष,

प्रकाशक : संजय बुक सेंटर, गोलघर, वाराणसी।

निर्देश :

– पाठ्यक्रम तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंको का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : व्याख्या — 1 x 10 = 10 अंक।

– इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो एवं इकाई क्रमांक तीन से व्याख्या हेतु एक-एक गद्यांश देते हुए कम से कम तीन गद्यांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी किसी एक गद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार व्याख्या 1 x 10 = 10 अंक।

ख : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न . — 4x 10 = 40 अंक।

– इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, एवं इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो – दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक – एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

ग : लघूत्तरीय प्रश्न — 2 x 05 = 10 अंक।

– पाँचवा प्रश्न लघूत्तरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक – एक लघुत्तरीय प्रश्न देते हुए कम से कम चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. साहित्य विधाओं की प्रकृति : डॉ० देवी शंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. कहानी : नयी कहानी : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती द्वारा राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी कहानी परम्परा और प्रगति : डॉ० हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. कहानी अनुभव और अभिव्यक्ति : राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चिंतन जगत् : प्रो० के० डी० पालीवाल : स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी कहानी बीसवीं शताब्दी : डॉ० श्याम गोविन्द, अनंग प्रकाशन, उत्तरी घोण्डा, दिल्ली।
9. प्रेमचंद और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. प्रेमचंद एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. प्रेमचंद : डॉ० सत्येन्द्र राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. अंधेर नगरी : सृजन – विश्लेषण और पाठ : रमेश गौतम : किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।

4th SEMESTER
चतुर्थ – सेमेस्टर

401 : SAGUN BHAKTIKAVYA
सगुण भक्तिकाव्य

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक – 50 अंक
समय – दो घंटे

पाठ्य पुस्तक : 'काव्य संचयन' सम्पादक डॉ० चमनलाल गुप्ता
वाणी प्रकाशन 21 – दरियागंज, नयी दिल्ली – 2

इकाई एक : सूरदास।

निर्धारित पाठ :
विनय तथा भक्ति से पद सं० – 4 एवं 7।
रूपमाधुरी एवं बाल लीला से पद सं० – 12,13 एवं 14।
मथुरा गमन और भ्रमर गीत से पद सं 20 एवं 22।

इकाई दो : तुलसीदास

निर्धारित पाठ :
अजेय रथ। विनय पत्रिका से – पद सं० 2 एवं 4।

इकाई तीन : मीराबाई।

निर्धारित पाठ : कुल पाँच पद पद सं० 1, 3, 7, 8 एवं 10।

निर्देश :

– पाठ्यक्रम तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंको का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

1 x 10 = 10 अंक।

क : व्याख्या

– इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो एवं इकाई क्रमांक तीन से व्याख्या हेतु एक – एक पद्यांश देते हुए कम-से-कम तीन पद्यांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी किसी एक पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

4x 10 = 40 अंक

ख : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

– इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, एवं इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो – दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक – एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्यंक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

ग : लघूत्तरीय प्रश्न 2 x 05 = 10 अंक।

– पाँचवा प्रश्न लघूत्तरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक – एक लघूत्तरीय प्रश्न देते हुए कम से कम चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक।

संदर्भग्रंथ सूची :

1. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. सूरदास और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।
3. सूर साहित्य : डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. सूरदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, दिल्ली।
5. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य : डॉ० मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन : सं० अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
8. तुलसी की साहित्य साधना : डॉ० लल्लन राय, वाणी प्रकाशन, 21 ए दरियागंज, दिल्ली।.
9. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. तुलसी : उदय भानु सिंह : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली। 11
11. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. रामचरित मानस : एक साहित्यिक मूल्यांकन : सुधाकर पाण्डेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. हिन्दी की गीतिकाव्य परंपरा और मीरा : डॉ० मंजु तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. मध्यकालीन बोध का स्वरूप : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. भक्तिकाव्य का समाज दर्शन : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. मन खंजन किसके: मध्यकालीन साहित्य, संस्कृति और मूल्यांकन, रमेश कुंतल मेघ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।।

5th SEMESTER
पंचम– सेमेस्टर

501 : REETI KAVYA
रीति काव्य

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक – 50 अंक
समय – दो घंटे

पाठ्य पुस्तक : **'मध्यकालीन काव्य संग्रह'** प्रस्तुतकर्त्ता – केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा प्रकाशन : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

इकाई एक : बिहारी एवं मतिराम

अ – बिहारी

निर्धारित पाठ : पंद्रह दोहे। दोहा संख्या – 01, 02, 05, 08, 09, 11, 13, 16, 19, 22, 24, 25, 26, 27 एवं 30.

ब – मतिराम

निर्धारित पाठ : सभी पाँच पद।

इकाई दो : घनानंद और रसखान

अ – घनानंद

निर्धारित पाठ : सभी चार पद।

ब – रसखान

निर्धारित पाठ : पद संख्या – 01, 03, 05, 06, 09 एवं 10

इकाई तीन : देव और पद्माकर

अ – देव

निर्धारित पाठ : पद संख्या – 01, 03, 06, 08, 11 एवं 12।

ब – पद्माकर :

निर्धारित पाठ : पद संख्या – 01, 02, 03, 04, 06, एवं 08।

निर्देश :

– पाठ्यक्रम तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंको का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है।

प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : व्याख्या — 1 x 10 = 10 अंक

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो एवं इकाई क्रमांक तीन से व्याख्या हेतु एक – एक पद्यांश देते हुए कम

से कम तीन पद्यांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी किसी एक पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

ख: निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक।

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, एवं इकाई क्रमांक तीन से कम दो - दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक - एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

ग : लघूत्तरीय प्रश्न 2 x 05 = 10 अंक।

पाँचवा प्रश्न लघूत्तरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न देते हुए कम से कम चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. रीति युगीन काव्य : कृष्ण चंद्र वर्मा : पुस्तक मंदिर, इलाहाबाद।
2. हिन्दी रीति साहित्य : डॉ० भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. रीति काव्य के विविध आयाम : डॉ० सुधीन्द्र कुमार : स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ० बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. बिहारी अनुशीलन : डॉ० सरोज गुप्ता : स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. बिहारी एक मूल्यांकन : हरिचरण शर्मा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
7. रीतिकालीन स्वच्छन्दकाव्य धारा : डॉ० चन्द्र शेखर, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
8. घनानन्द ग्रंथावली : डॉ० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।

6th SEMESTER
षष्ठ - सेमेस्टर

601 : ADHUNIK KAVITA (CHHAYAVAD TAK)
आधुनिक कविता (छायावाद तक)

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

पाठ्य पुस्तक : 'आधुनिक काव्य संग्रह' सं० रामवीर सिंह

प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी - 221001(यू०पी०)

इकाई एक : भारतेंदु हरिश्चंद्र एवं मैथिलीशरण गुप्त

अ - भारतेन्दु हरिश्चंद्र :

प्रस्तावित पाठ - हिंदी भाषा शीर्षक कविता से दोहा संख्या - 1, 4, 12, 20, 21, 22, 23, 24, 26, 27, 30, 35, 39, 40, 43 = कुल पंद्रह दोहे

ब - मैथिलीशरण गुप्त :

प्रस्तावित पाठ 'उर्मिला', 'यशोधरा' (1 और 2) शीर्षक कविताएँ।

इकाई दो: जयशंकर प्रसाद एवं निराला।

अ - जयशंकर 'प्रसाद' :

प्रस्तावित पाठ - 'निर्वेद', 'हे लाज भरे सौंदर्य बता दो' 'ले चल मुझे भुलावा देकर', 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' शीर्षक कविताएँ।

ब - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला :

प्रस्तावित पाठ - 'बाँधो न नाव' : 'भिक्षुक', जागो फिर एक बार (1 और 2) शीर्षक कविताएँ।

इकाई तीन : पंत एवं महादेवी

अ - सुमित्रानंदन पंत :

प्रस्तावित पाठ - प्रथम रश्मि और भारतमाता शीर्षक कविताएँ।

ब - महादेवी वर्मा :

प्रस्तावित पाठ - चार गीत : 1. मैं नीर भरी दुख की बदली
2. कौन पहुँचा देगा उस पार, 3. पिक हौले हौले बोल, 4. प्रिय पथ के ये शूल।

निर्देश :

- पाठ्यक्रम तीन इकाइयों में विभक्त है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंको का होगा। इस प्रकार प्रश्न का पूर्णांक 50 है।

प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : व्याख्या 1 x 10 = 10 अंक।

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो एवं इकाई क्रमांक तीन से व्याख्या हेतु एक – एक पद्यांश देते हुए कम से कम तीन पद्यांश दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को किसी एक पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या करनी होगी। व्याख्या हेतु 10 अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार व्याख्या = 1 x 10 = 10 अंक।

ख : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 x 10 = 40 अंक।

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो, एवं इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो – दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे। परिक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक – एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

ग : लघूत्तरीय प्रश्न 2 x 05 = 10 अंक।

पाँचवा प्रश्न लघूत्तरीय होगा। प्रत्येक इकाई से एक – एक लघूत्तरीय प्रश्न देते हुए कम-से-कम चार लघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इस प्रकार लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्र०, न० दिल्ली।
3. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत:सूत्र : कृष्ण दत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, न० दिल्ली।
4. मैथिलीशरण गुप्त एक मूल्यांकन : डॉ० नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन : विनोद शाही, आधार प्रकाशन प्रा० लि०, पंचकूला (हरियाणा)।
6. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर 12, राज कमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. निराला का काव्य : डॉ० बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
8. निराला : डॉ० रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, न० दिल्ली।
9. प्रसाद, निराला और पंत : विजय बहादुर सिंह, स्वराज्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. हिन्दी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राज कमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. छायावाद : डॉ० नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. हिन्दी स्वच्छंदतावादी काव्य : प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. कामायनी विमर्श : भगीरथ दीक्षित, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
15. सुमित्रानंदन पंत : सं० बच्चन, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
16. निराला की कविताएँ और काव्य भाषा : डॉ० रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
17. निराला : कवि-छवि : डॉ० नन्दकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।
18. महादेवी : गंगाप्रसाद पाण्डेय, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
19. महादेवी : इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
20. महादेवी : आधुनिक कवि भाग – 1, प्रकाशक : साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
21. सुमित्रानंदन पंत : आधुनिक कवि भाग – 2, साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।